IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 1, October 2022
Impact Factor: 6.252

मलिन बस्ती निवासियों की सामाजिक एवं शैक्षणिक स्थिति का समाजशास्त्रीय अध्ययन (इलाहाबाद नगर के विशेष सन्दर्भ में)

डॉ. श्रीनिवास मिश्र[1] and जितेन्द्र कुमार यादव[2]

प्राध्यापक, समाजशास्त्र,शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अमरपाटन, सतना (म.प्र.)[1]

शोधार्थी, समाजशास्त्र, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा (म.प्र.)[2]

सारांश :– प्रस्तुत शोध अध्ययन हेतु उत्तरप्रदेश के इलाहाबाद जिले को उद्देश्यपूर्ण विधि से चयनित किया गया। इसमें इलाहाबाद नगर की मलिन बस्तियों में जीवन की गुणवत्ता एवं विकास कार्य की प्रभाविता के प्राप्त आकड़ों के आधार पर शोध अध्ययन किया गया है। समग्र के प्रतिनिधित्व हेतु 5 बस्तियों के 1311 परिवार में से 300 परिवारों को न्यायदर्श बतौर अध्ययन में सम्मिलित किया गया। समस्त संकलित आंकड़ों एवं सूचनाओं को चयनित क्षेत्र से संकलित किया गया है जिसके आधार पर मास्टर चार्ट तैयार किया गया, तत्पश्चात् सारणीयन कर विश्लेषण एवं विवेचन किया गया। निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि कुल उत्तरदाताओं में से 86.3 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि उनके सुविधायुक्त मकानों में रहने के कारण उनके बच्चों की शिक्षा में सुधार हुआ है जबकि 13.7 प्रतिशत उत्तरदाताओं के बच्चों की शिक्षा में सुधार नहीं हुआ है। 51.7 प्रतिशत उत्तरदाताओं के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्राप्त हुई है जबकि 48.3 प्रतिशत उत्तरदाताओं के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्राप्त नहीं हो पायी है। 35.3 प्रतिशत उत्तरदाताओं के बच्चों को निःशुल्क पुस्तक प्राप्त हुई है जबकि 64.7 प्रतिशत उत्तरदाताओं के बच्चों को निःशुल्क पुस्तक प्राप्त नहीं हो पायी है। 25 प्रतिशत उत्तरदाताओं के बच्चों को विद्यालय में मध्याहन भोजन प्राप्त होता है जबकि 75 प्रतिशत उत्तरदाताओं के बच्चों को विद्यालय में मध्याहन भोजन प्राप्त नहीं हो पाता है।

मुख्य शब्द :– मलिन बस्ती, निवासी, सामाजिक, शैक्षणिक, स्थिति, समाजशास्त्रीय आदि।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

[1]. श्रीवास्तव, सुधीर कुमार (2009), ''मलिन बस्तियों की सामाजिक समस्याएं एवं 'डूडा' कार्यक्रमों का समाजशास्त्रीय मूल्यांकन'', राधाकमल मुकर्जी : चितंन परम्परा,

[2]. हेवमैन, एस. जे. (1934), ''स्लम्स इनसाइक्लोपिडिया ऑफ सोशलसाइन्सेज'', दि मैकमिलन कम्पनी, न्यूयार्क, वोल्युम–13,

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 1, October 2022
Impact Factor: 6.252

[3]. शुक्ला, विजयश्री (2005), ''मलिन आवासों के निवासियों की सामाजिक–आर्थिक एवं मनोवैज्ञानिक समस्याओं का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन (झाँसी नगर के विषेश संदर्भ में)'', बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी, (उ.प्र.)।

[4]. सहाय, सीमा (1994–95), ''गन्दी बस्ती में रहने वाली महिलाओं के जीवन स्तर का अध्ययन (दुर्ग जिले के विशेष संदर्भ में)'', सामाजिक विज्ञान अनुसंधान केन्द्र पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, भिलाई (म.प्र.)।

[5]. देसाई, वी. के. एल. (2003), ''सुरत शहर की मलिन बस्तियों में खसरा घटनाओं और टीकाकरण कवरेज का अध्ययन'', इण्डियन जर्नल ऑफ कम्युनिटी मेडिसिन।

[6]. अग्रवाल, गोपाल कृष्ण (2012),''समाजशास्त्र (ग्रामीण एवं नगरीय समाजशास्त्र)'', एस. बी. पी. डी. पब्लिशिंग हाउस, आगरा।

[7]. राव, बी.पी., नन्देश्वर शर्मा (2011), "नगरीय भूगोल", वसुंधरा प्रकाशन गोरखपुर,

[8]. महाजन, संजीव (2008), ''आधुनिक भारत में सामाजिक परिवर्तन'', अर्जुन पब्लिकेशन हाऊसिंग प्रहलाद जली अंसारी रोड दरियागंज नई दिल्ली

[9]. गाबा, ओम प्रकाश (2003), ''विवेचनात्मक सामाजिक विज्ञान कोश नेशनल'', पब्लिशिंग हाउस नई दिल्ली।

[10]. प्रकाश, ज्ञान (1997), ''समन्वित बाल विकास परियोजना का इन्दौर नगर के मलिन बस्तियों की महिलाओं एवं बच्चों पर प्रभाव : एक अध्ययन'', डॉ. आम्बेडकर सामाजिक विज्ञान शोध पत्रिका, अंक 5 (5),

[11]. करलिंगर, एफ. एन. (1964), ''दि फाउण्डेशन ऑफ विहेवियरल रिसर्च'', रिनेहाट एण्ड विन्सटन प्रेस हाल्ट, न्यूयार्क, पृ. क्र. 4।

[12]. मुखर्जी आर. एन. (2001), सामाजिक शोध व सांख्यिकी, मातृ आशीष, अष्टम् संस्करण, बरेली।

[13]. व्यास, हरिश्चंद्र, दामोदर शर्मा (1998), ''आधुनिक जीवन और पर्यावरण'', प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।

[14]. अग्रवाल, गोपाल कृष्ण (2012), ''समाजशास्त्र (ग्रामीण एवं नगरीय समाजशास्त्र)'', एस.बी.पी.डी. पब्लिकेशन्स हाउस, आगरा।